

**राज**  
कॉमिक्स  
मूल्य 15.00 रुपए

# बागाराज का दुश्मान





# नागराज का दुश्मन

लेखक: तरुण कुमार वाही  
सम्पादक: मनीष चन्द्र गुप्ता  
कलादिव्यर्शन: प्रताप मुलीक  
चित्रकार: चंदू  
सुलेख: विलास पालवणकर

प्रोफेसर नागमाणि का बनाया एक अद्वितीय नागमानव, नागराज। आतंकवादियों का घोर शत्रु, नागराज। जिसका सफर आसाम के घनघोर जंगलों से आरम्भ होकर शंकर-शहशाह के आश्रम में पहुंचकर समाप्त नहीं हो गया था। जबतक विश्व में एक भी आतंकवादी दल मौजूद है, नागराज का ये सपना सफर जारी रहेगा।



भारत की राजधानी दिल्ली की भीड़ भरी एक सड़क पर एकाएक उस वृद्धाने चीख-चीखकर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया -



चकड़ो! वह मेरा पर्स ले भागा है।



दोनों हवलदार उस उधड़के के पीछे लपके -





ट्रेन गुजरते ही दोनों हवलदारों का माथा धूम गया-



फूदा के साथ कुछ और लोग भी वहां आ पहुंचे-



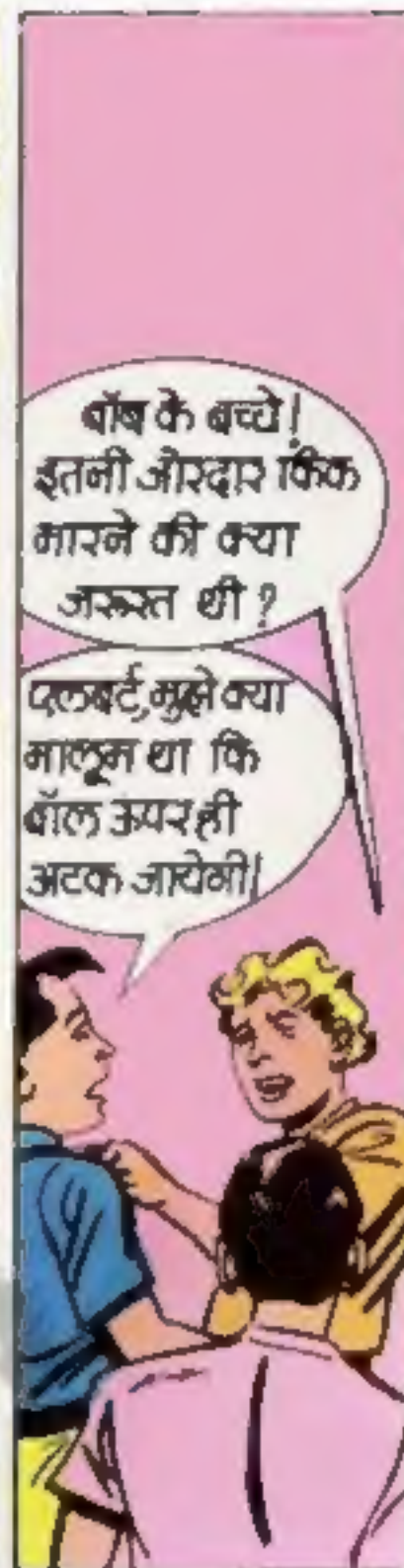




इंग्लैण्ड के नाटिंगम शहर से दूर नदी किनारे पिकनिक मनाते कुछ बच्चों का एक समूह-





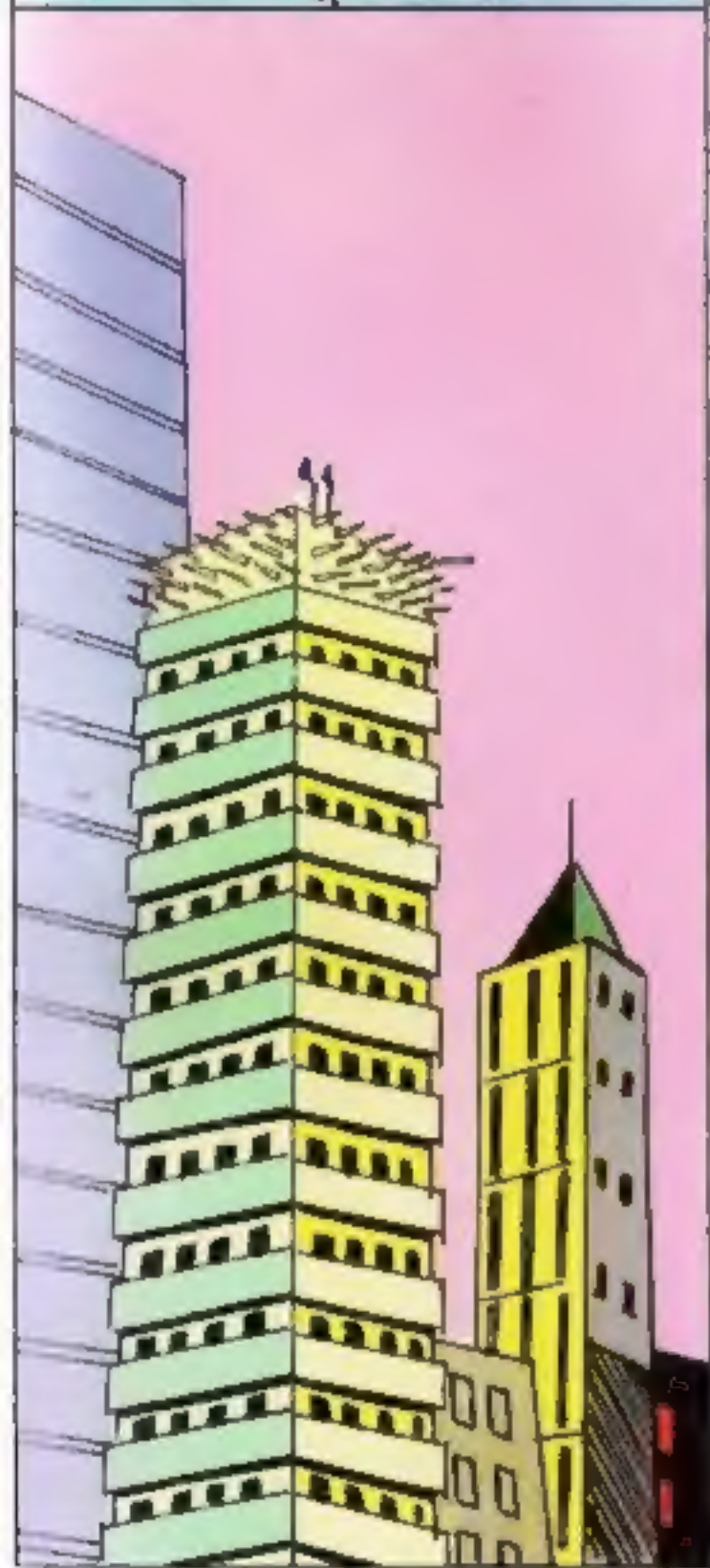








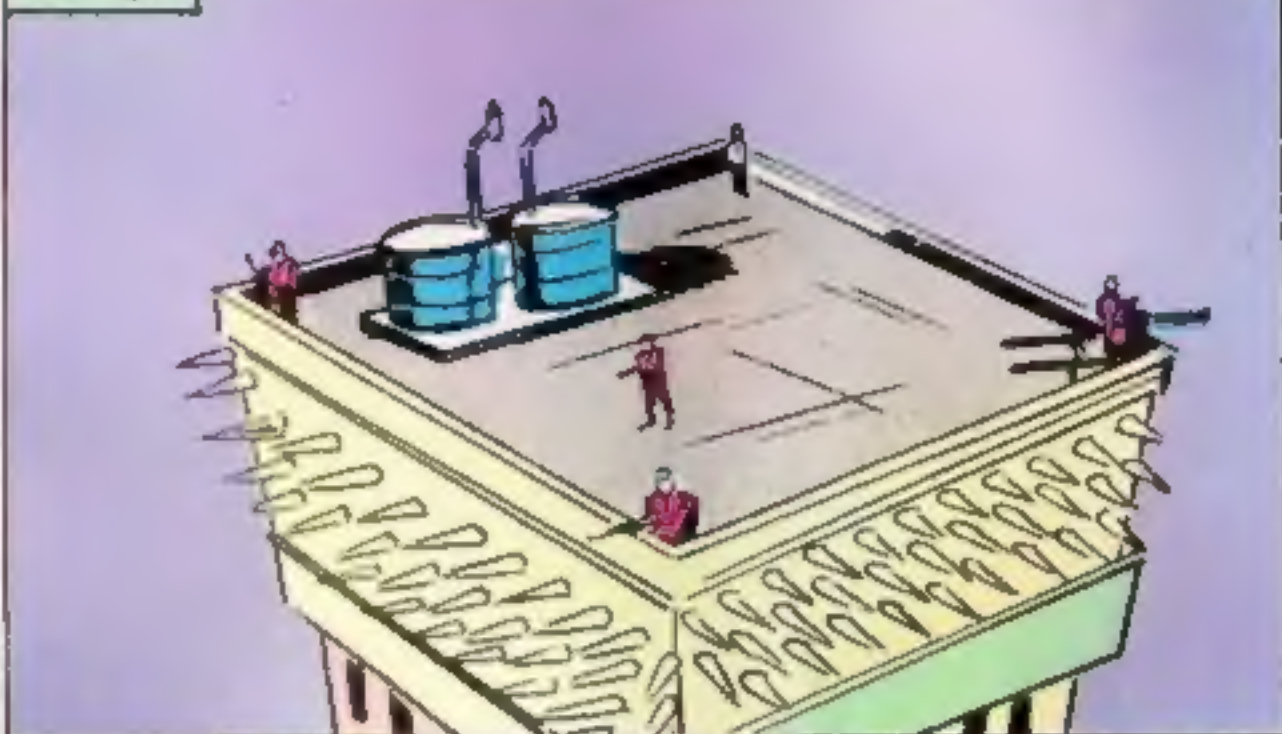
उधर एक तरफ नागराज का नाम बच्चे-बच्चे की जबान पर था और इधर स्टिडजर लैंड में अंधेरे में डूबी एक इमारत—



छत के प्रत्येक कोने पर एक-एक प्रशिक्षित कमांडो...



इमारत की बीसवीं मंजिल, जिसकी चारों दीवारों पर लोहे की कीलें लगी हैं—



उन कीलों में हर समय घातक करन्ट प्रवाहित रहता है...



चीं चीं चीं...

... जिनसे स्पर्श मात्र का मतलब है—मौत!

...जिनकी गलें किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखते ही भूल देने को आतुर रहती हैं—

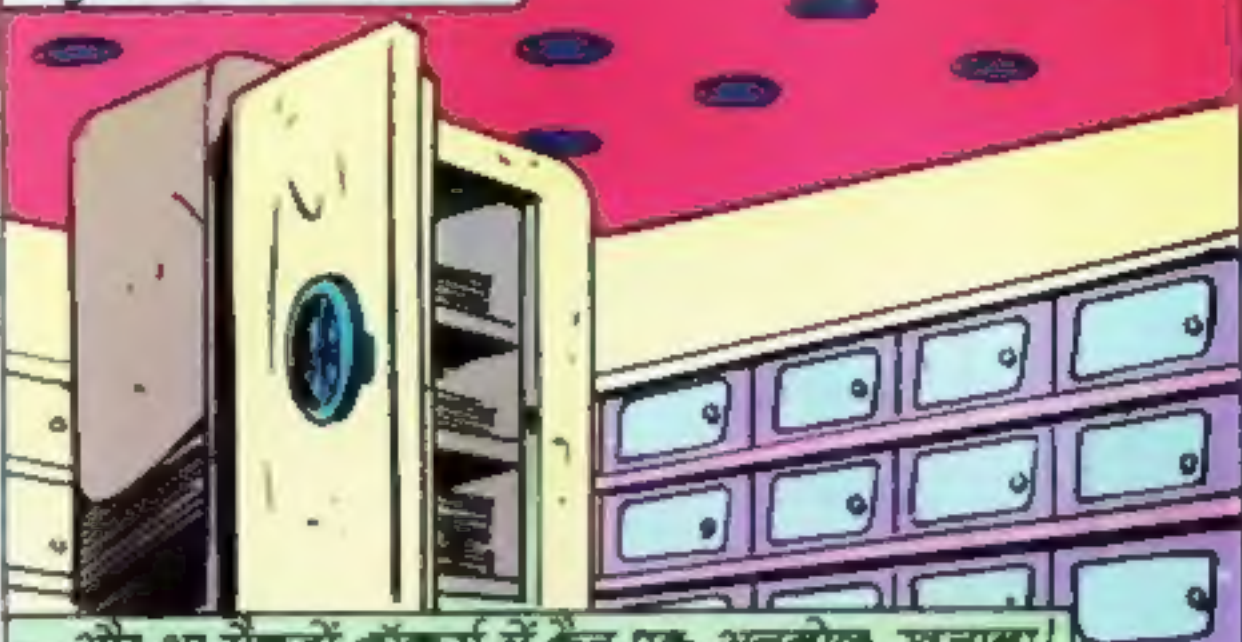




इमारत की इस बीसवीं मंजिल पर स्थित था यह बैंक...



... जिसके वॉल्ट में बड़े-बड़े उद्योगपतियों के गुप्त खातों की बेशुमार दौलत कैद थी...



... और था सैकड़ों लॉकर में कैद एक अनमोल खजाना।

और आज इस बेशुमार दौलत पर निगाहें थीं जुरिच प्राइड होटल की तीस मंजिल इमारत की छत पर खड़े, उस साध की-



और यह साया था नागराज का-

हा हा हा !  
कुछ ही देर में  
इस बैंक की सारी  
दौलत मेरी होगी।



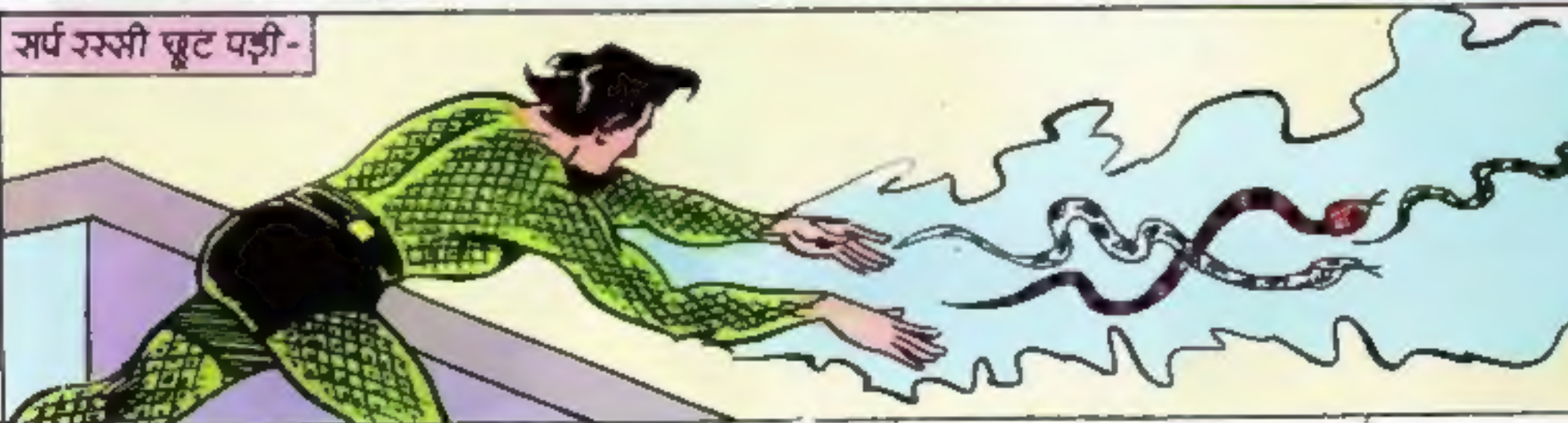
न... न... न... चौंकिड़ मत्त।

यह बात प्रतिज्ञात नागराज ही है-

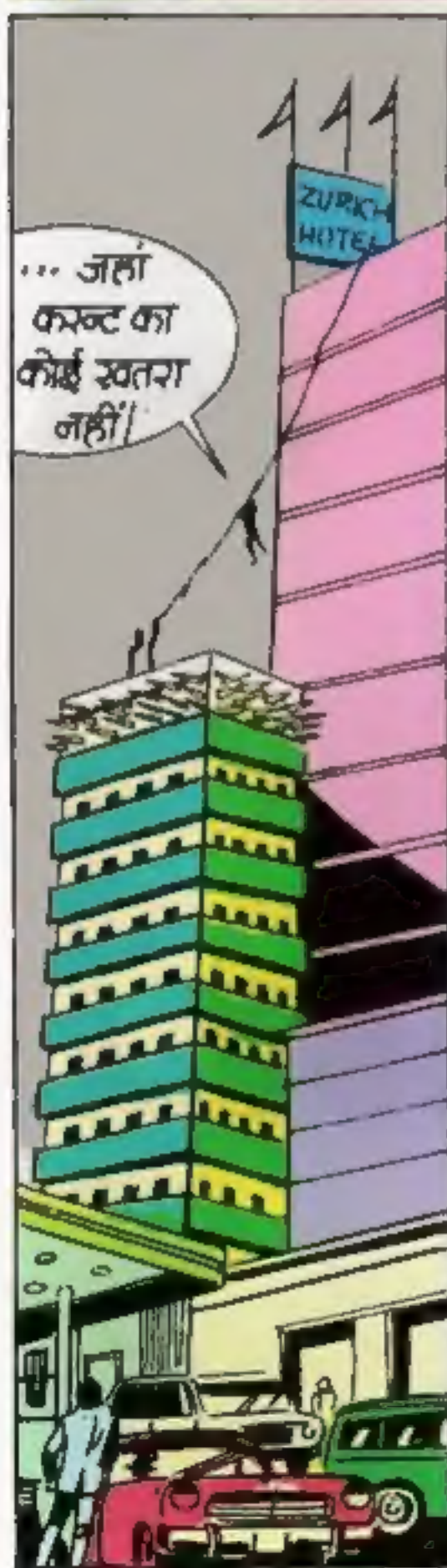
दीवारों पर  
लगी कस्टम लोहे की  
कीलें मेरा क्या बिगाड़  
लेंगी।



सर्प रस्सी छूट पड़ी-







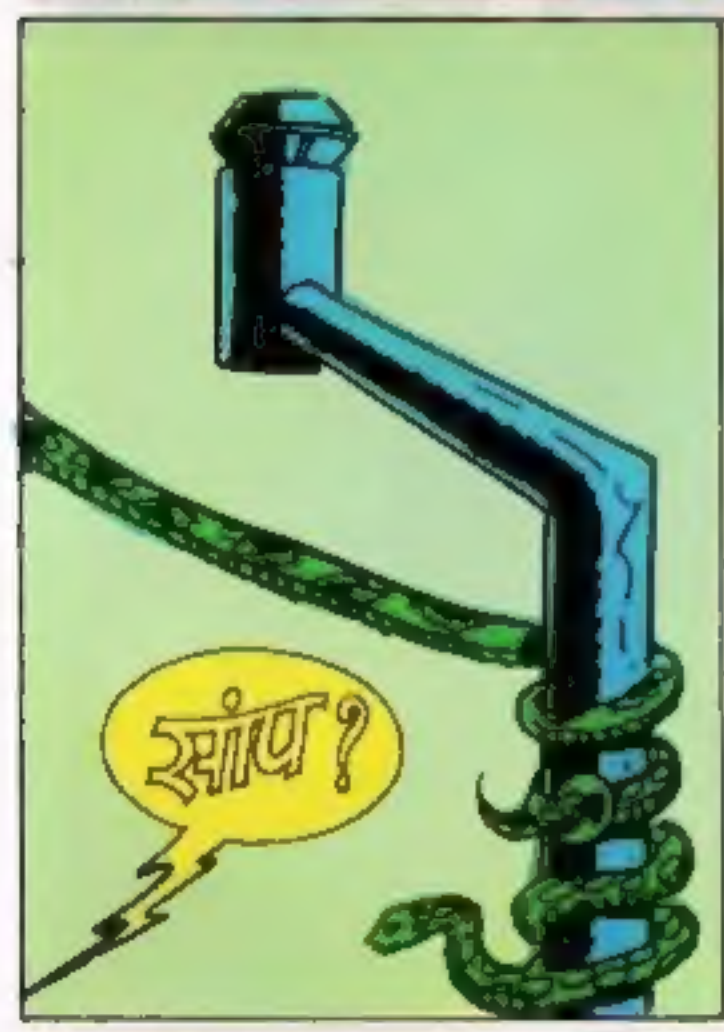
नागराज नागरस्सी पर लटकता हुआ मंजिल की ओर बढ़ा-



और चींटे से भी चीकड़े एक कमांडो की निगाहों में आखिर वह आ ही गया-









नागराज???

हो, यह देखो, नागराजी!  
ऊपर बॉक्स पर कोई कुसीदा  
आई है, जो नागराज हमारी  
मदद के लिये आ रहा है ..

.. वह दुश्मनो का  
दुश्मन नागराज है।  
आतंकवादियों, खूंखार  
अपराधियों का कल  
नागराज। कोई बेली  
न चलाए।

नागराज निर्दोषता पर ऊपर आया-

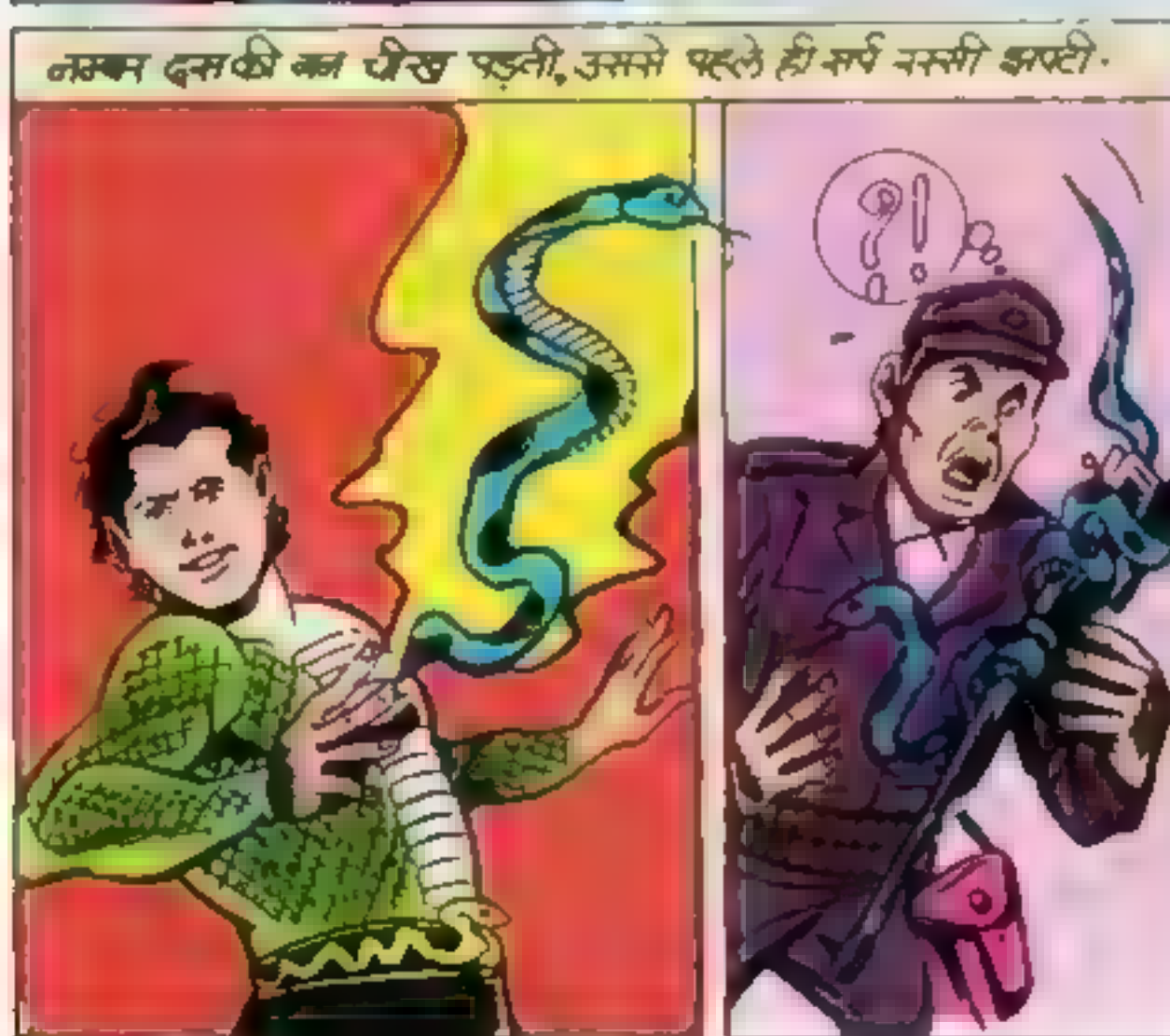
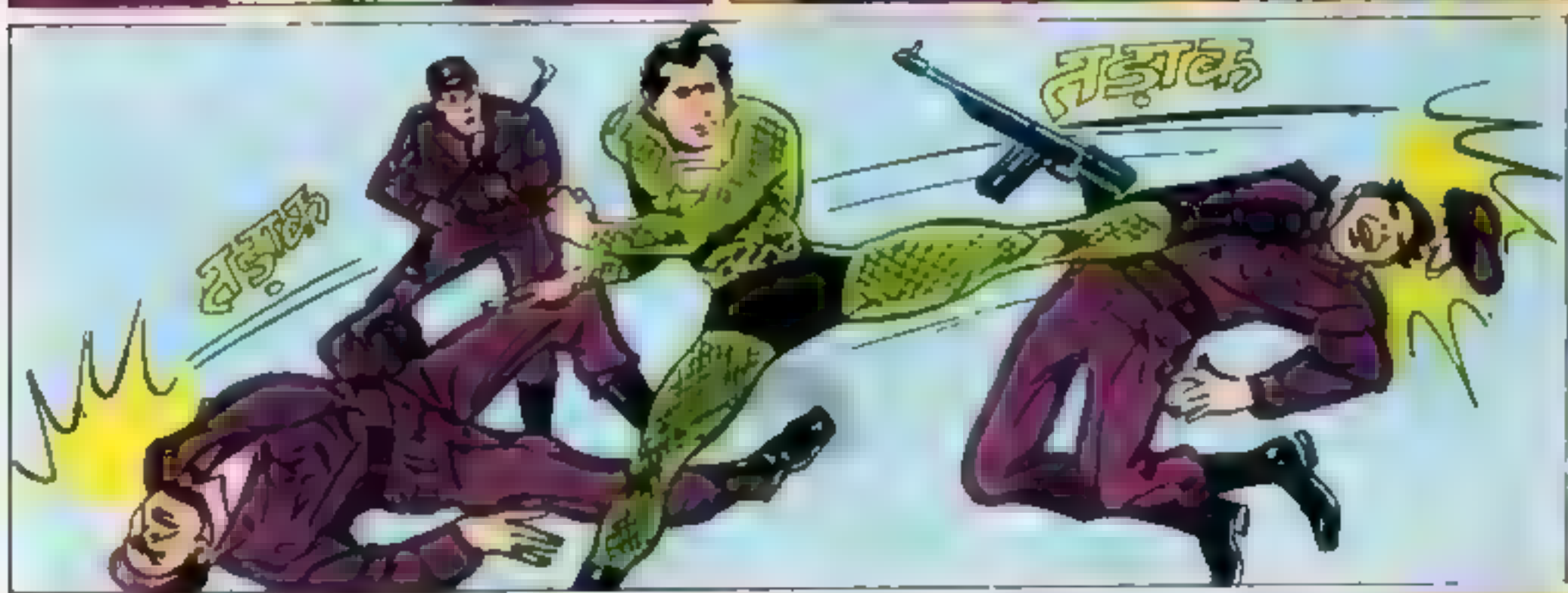
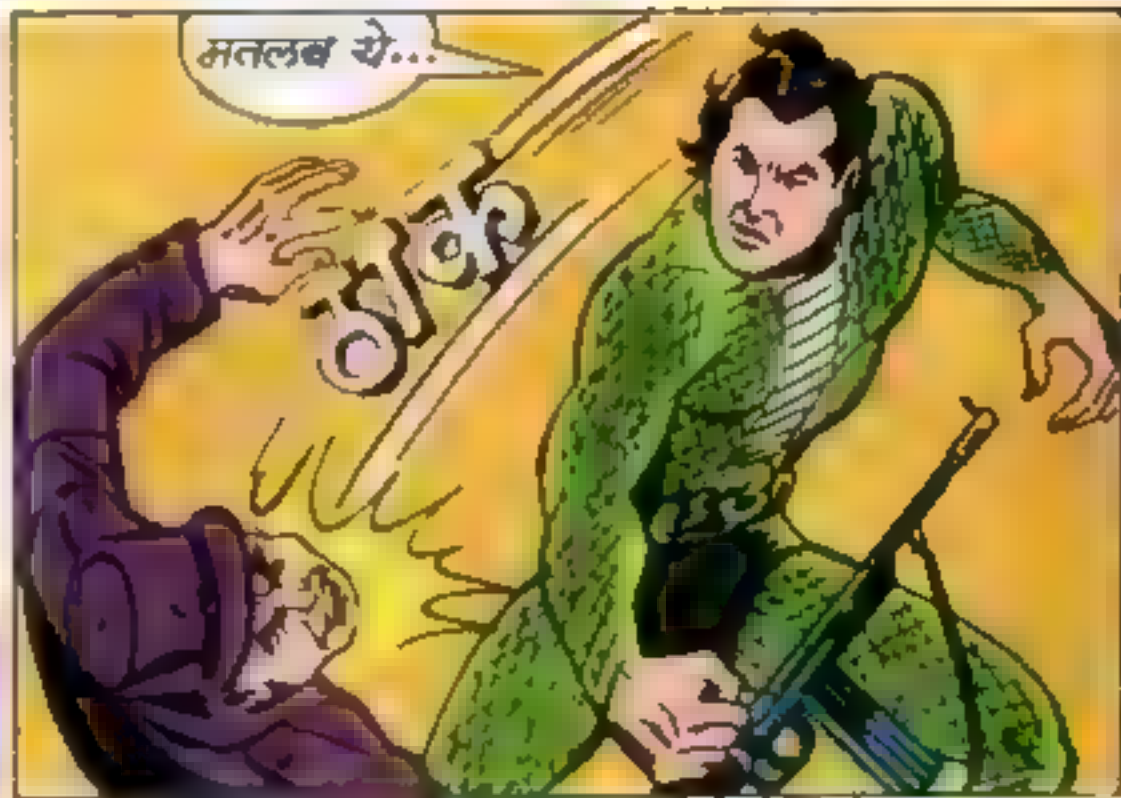
नागराज,  
तुम यहाँ?

ओह,  
तुम मुझे  
जानते हो।

सब ठीक  
ठाक तो हैं न,  
नागराज?

सभी सर्व वापिस नागराज के उरी में  
मल गये।







पलक झुकते ही चले की लम्बे ऊर्ध्व पर पड़ी थी

आज के लूटने से मुझे  
कोई नहीं रोक सकता।

सीढियो से उतरते हि नमराज का सामना मेल्ही में अकल  
लगाने कसौडोज से हुआ-

અને નાઠનાજી!

(नाथनाथ) यहाँ

नागराज

गाठराज,  
बेटे, काफी प्रसिद्ध  
हो।

किसी को कुछ पढ़ने तक का अवसर नहीं मिला

[illegible]

अवसर चुकना  
अकड़न जरा ठोस  
की लोडाली है ...

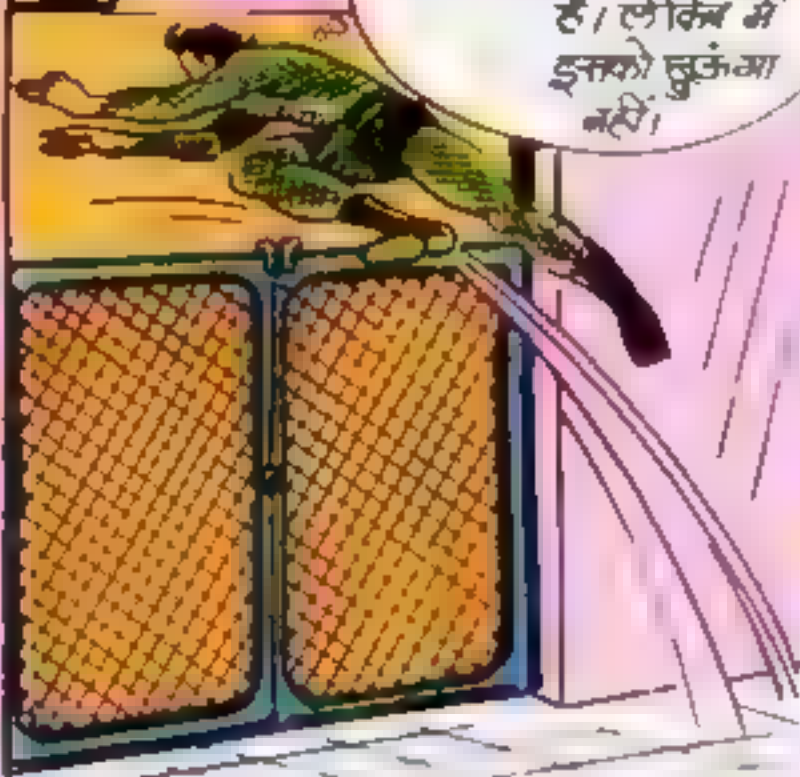
...और मैं अपने दुश्मन को कभी अपसव नहीं देता।

रस्सी खींचते ही नीनों कसा डोज तीव्र झटके के कारण नाबालक की बाँटों के झिकजे में आ फंसे थे-



तीनों कमांडोज को समाप्त कर नागराज हवा में उछला—

बेट में करन्ट दौड़ रहा है। लेकिन मैं इसको छुऊँगा नहीं।



नागराज ने वास्तव में ही उसे छुआ नहीं था। उछले ही था वह गेट के उस पार था—



नागराज वॉल्ट की ओर जाने वाली उस पतली गैलरी में दौड़ पड़ा। उसी क्षण दीवारों से ऑटोमैटिक गोलें निकल कर नागराज पर बरस पड़ीं—



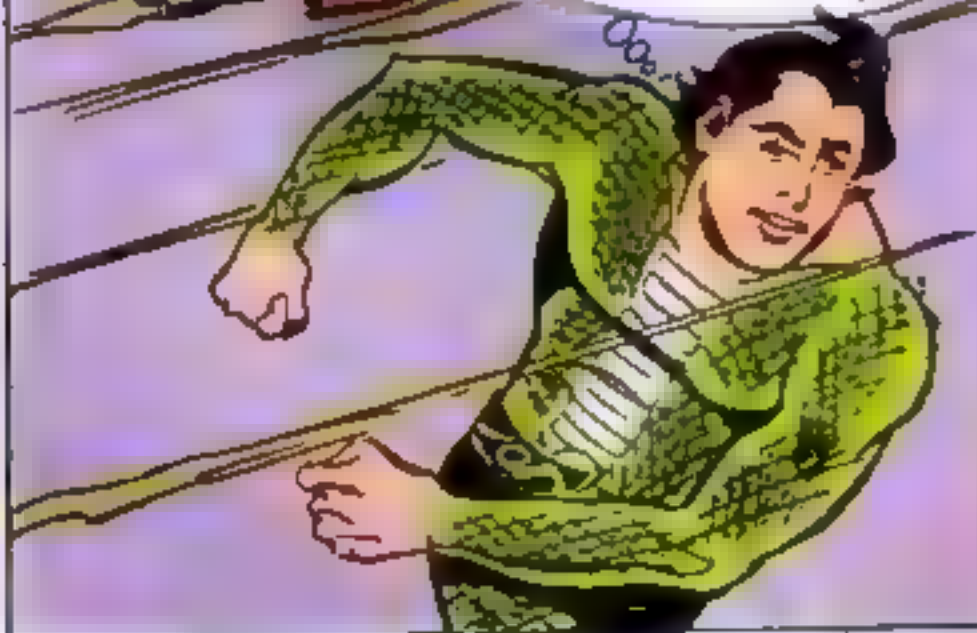
VAULT

ओह! दीवार में छिपी गव्वे!

गोलियों की बोझार भी नागराज को न रोक सकी—

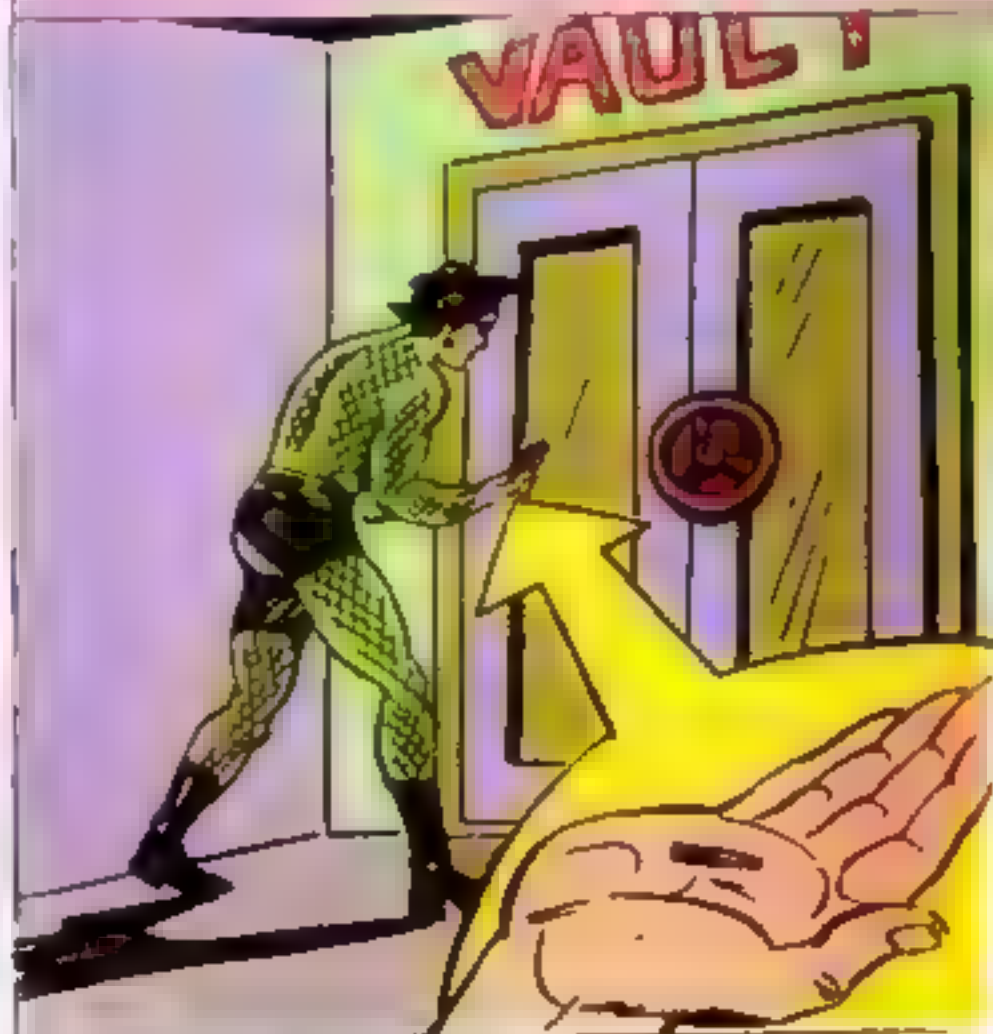
जिंग जिंग

कोई दूसरा होता तो उसकी लावा फर्श पर पड़ी होती, लेकिन मुझ पर बरस कर ये गोलियाँ भी अपने असली होवे पर शक करेंगी!



नागराज वॉल्ट के दरवाजे तक जा पहुँचा और तब तक वहाँ की झाड़ी गोलियाँ बरसाकर थक चुकी थीं।

अचानक नागराज के हाथ में कैप्सूल जैसी कोई चीज दिखने लगी—





जागराज ने कैप्टन वॉल्ट के दरवाजे पर स्वाँघ मारा-



कैप्टन के रूप में वह एक शक्तिशाली ब्रह्म था, जिसने वॉल्ट के एक फुट मोटे लोहे के दरवाजे के चिथड़े उड़ा दिये-

अब मजिल जागराज के सामने थी-



स्वजला इस तहखाने में है और तहखाने के फर्श पर बरछियों का जाल बिछा है...

...ताकि इस अंधेरे में कोई लुटेरा अगर वॉल्ट लूटने में हिम्मत करके भीतर एक कदम भी बढ़ाए तो यह कक्ष उसके लिए मौत का सलीब बन जाए।

जागराज की सर्व रस्सी छत पर लगे पंखे पर कस गई और...



जागराज झूलता हुआ-

...उन बरछियों को घेर कर बेझुआर दौलत के बीच जा पहुंचा



बाहर के सर्वाधिक सुरक्षित बैंक की यह बेझुआर दौलत अब मेरी है।



उसने अपनी बेल्ट की जगह बंदी फोड़ेंगे  
बैग को खोल लिया और बेबाजार दौलत  
की ओर बढ़ा-



जूते की ठोकर से उसके  
दौलत को अखाद  
किया

उसी के साथ ठाकुरराज एक  
हाथ के लिये चौक रहा-



ओह! अलार्म

ठाकुरराज तेजी के साथ जोरों की  
बाइसा बैग में भरने लगा-



बैग लबालबा भरने के बाद ठाकुरराज  
पुनः छत की ओर लपका, लेकिन बलमा



फरार

अरे!

जिंवा  
जिंवा

लेकिन ठाकुरराज  
असह्य पूरा घर पहुंच  
नहीं पाया



ठाकुरराज है



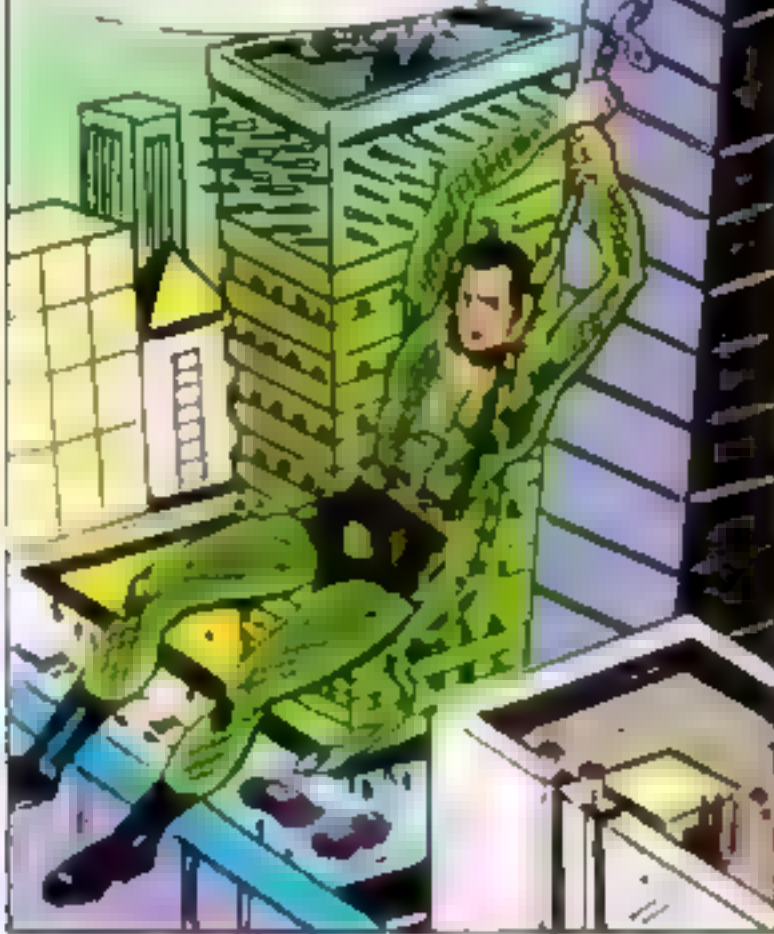
सर, वह तो  
ठाकुरराज है

ठाकुरराज और बैग  
इकैली असहभव



लेकिन कमांडो अफसर को अपनी आंखों पर विश्वास करना ही पड़ा-

यह शत-प्रतिशत नागराज था, मुझे तुरन्त यह सूचना दूसरे केंद्रों को प्रसारित करनी होगी...



और इस सूचना ने सनसनी फैला दी-

नागराज को देखते ही विस्फोट कर लो।



नागराज द्वारा एक्स बैंक उकैली

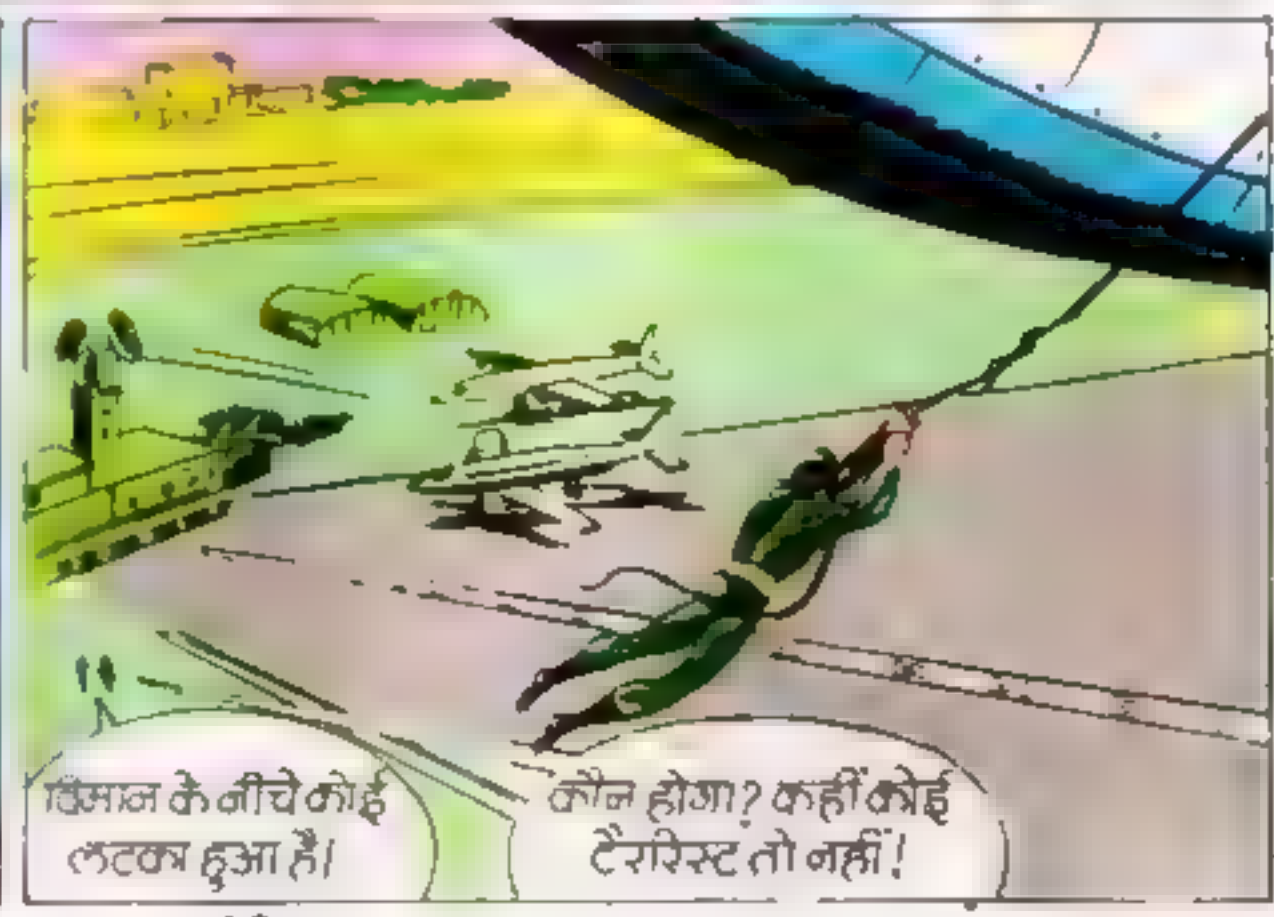
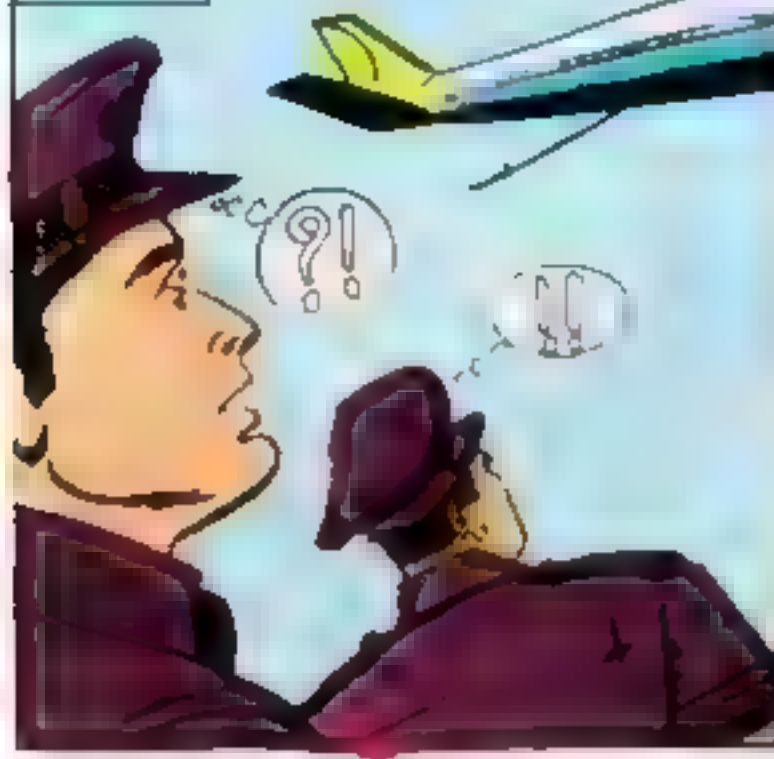
सबसे पहले के न्यूजपेपर में सूचना के साथ चीख रहे थे-



जिजेवा से लंदन आने वाले एक्स एयर के एक बोइंग विमान ने एयर पोर्ट से उड़ान भरी-



विमान के साथ ही एक शरीर भी हवा में उठ गया-



विमान के नीचे कोई लटक हुआ है।

कौन होगा? कहीं कोई टैरिस्ट तो नहीं!







हर चेहरा भय व अतक में जड़ पड़ गया।

हम फ्लेज में अब लाउरी ही उतारी जायेंगी।

कोई नहीं बचेगा।



सापो की सेना ने उन्हें घेर लिया था। और घेरे हुए यात्रियों के चेहरों पर कांप रही थी मौत की परछाईया।

उधर कण्ट्रोल रूम से 'मैसेज' पाइलट कक्ष को प्रसारित कर दिया गया था, जिसे सुनते ही पाइलट कक्ष में ओजजा फैल गई-

कोई साया विमान से लटकता हुआ देखा गया है। फ्लेज दुस्सा आरने का ऑर्डर है।

असम्भव! भला ऐसा दुस्साहस कौन कर सकता है?



और अपने जीवन का सबसे हैस-अंजो ज कारनामा वे अब देस रहे थे-



पलक झपकते ही नागराज सामने से काटख हुआ और -

हेलो, कण्ट्रोल रूम, मैं विमान वापिस उतार रहा हूं। विमान पर नागराज आ पहुंचा है।

नागराज! उसे तो देश की पूरी पुलिस तलाश करती फिर रही है। तुम फौरन विमान को नीचे उतारो।

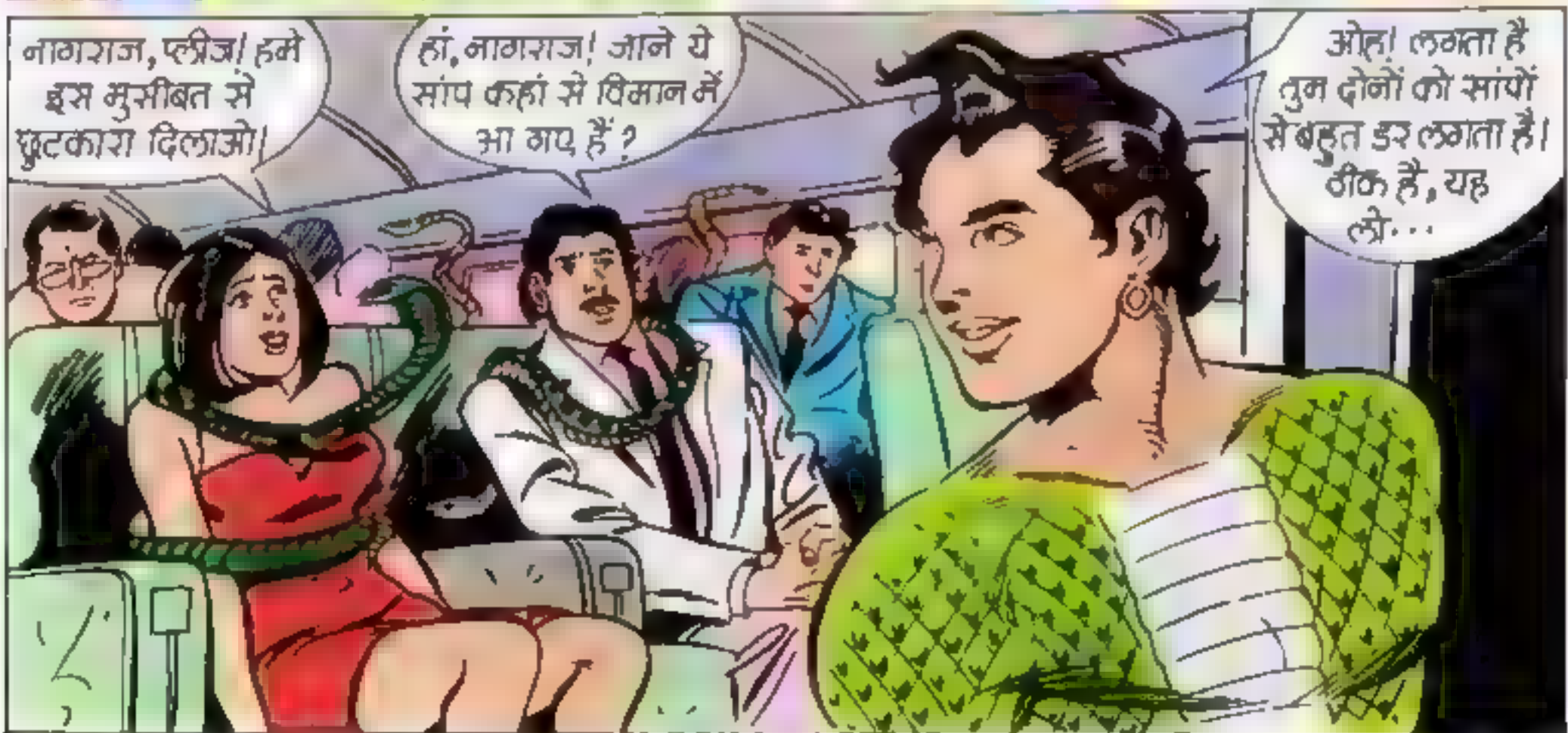




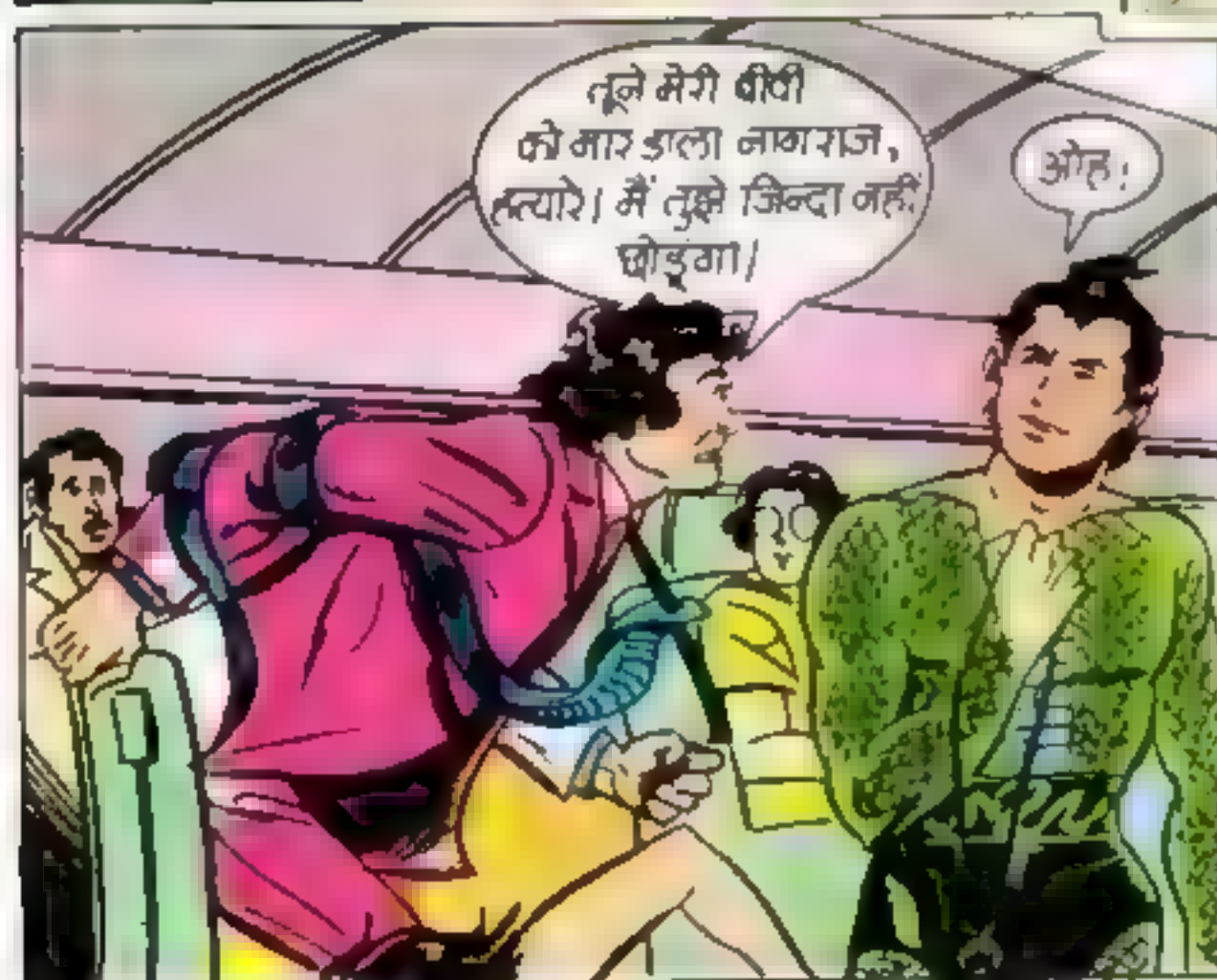
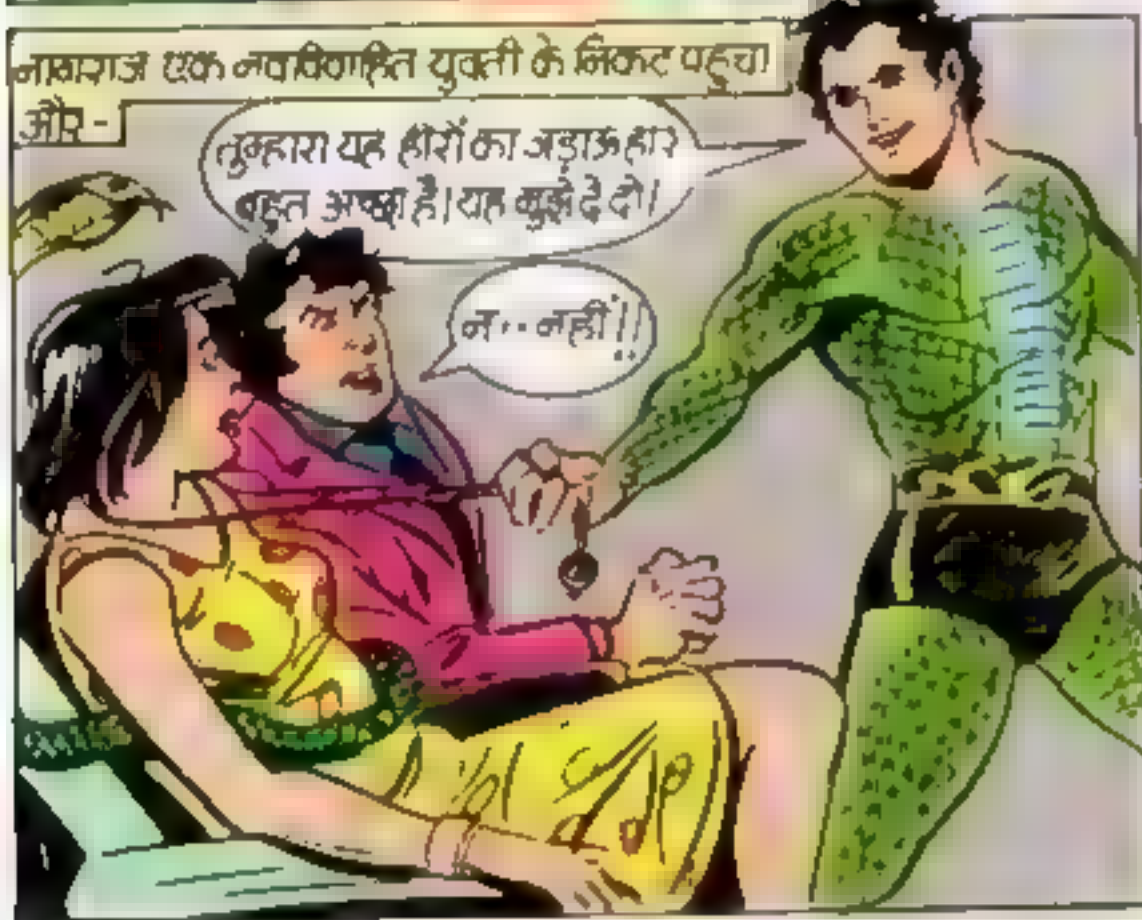
लेकिन बहुत अचानक ही मृत की तरह प्रकट हुआ वहा नागराज -



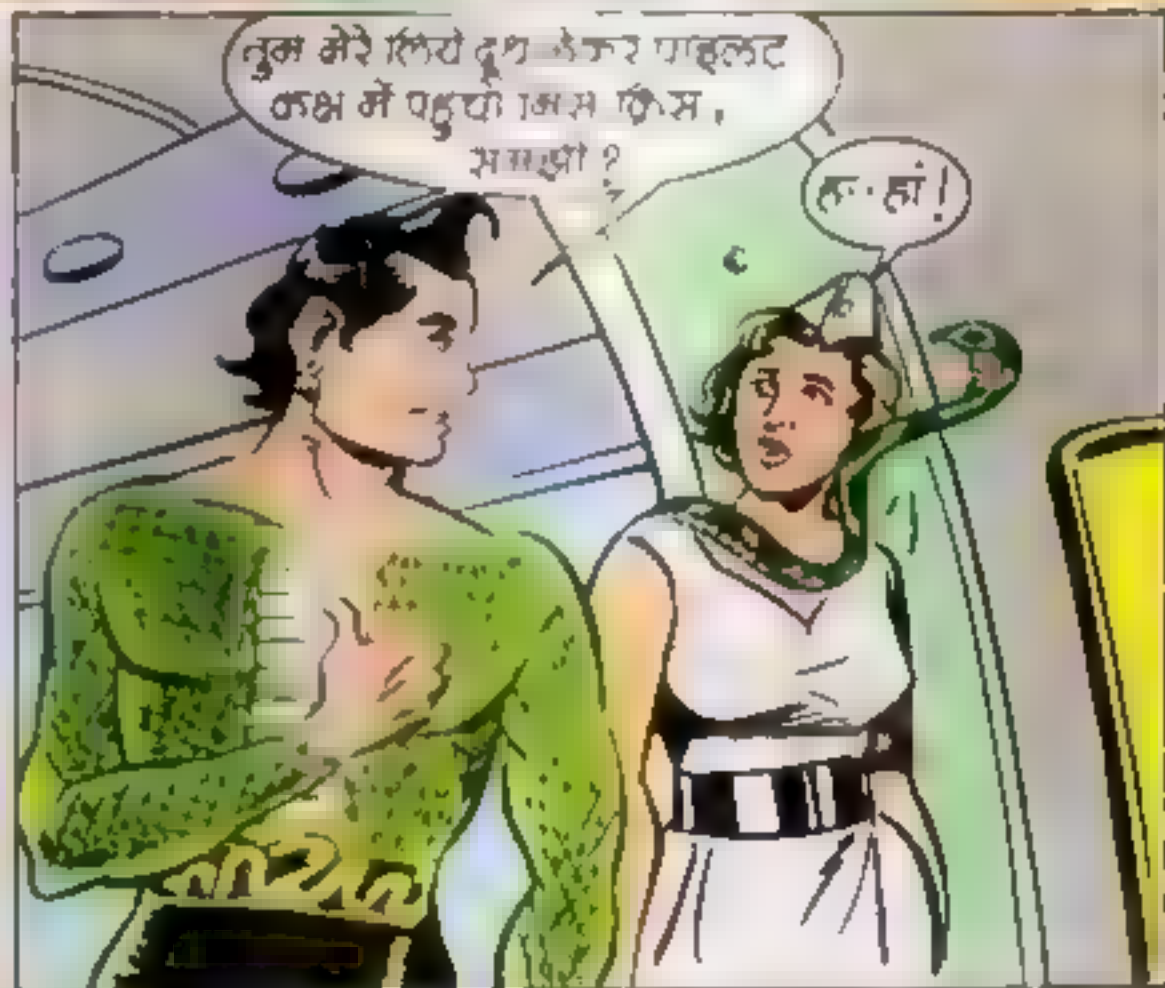
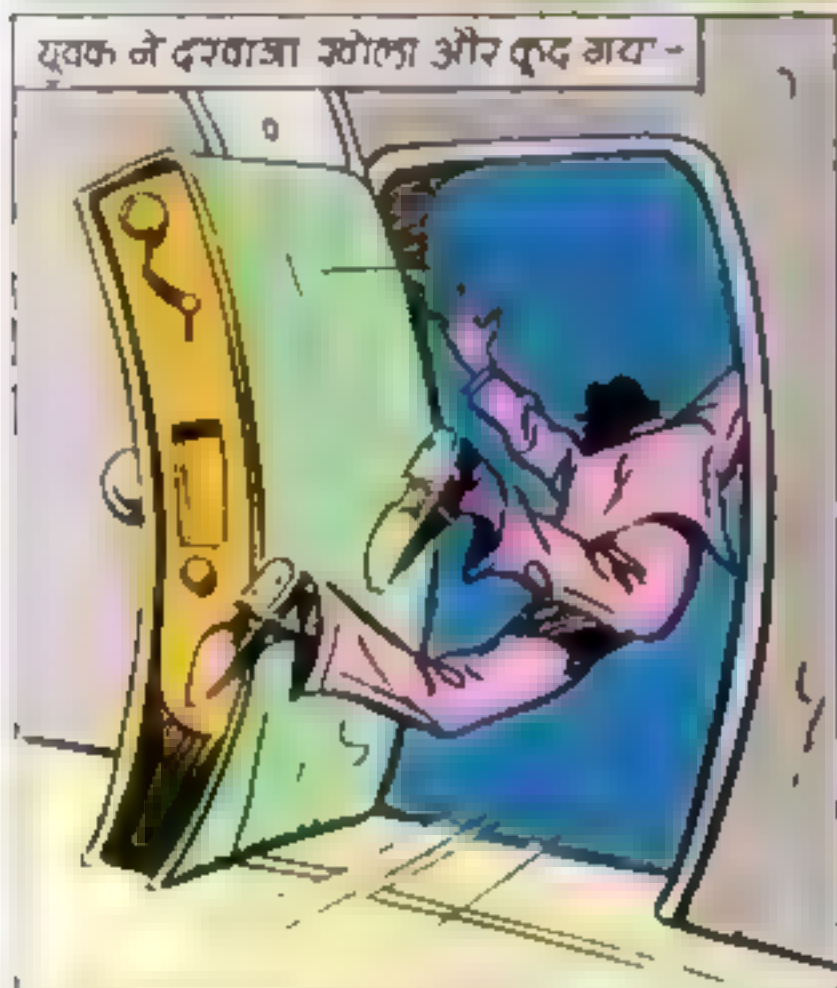








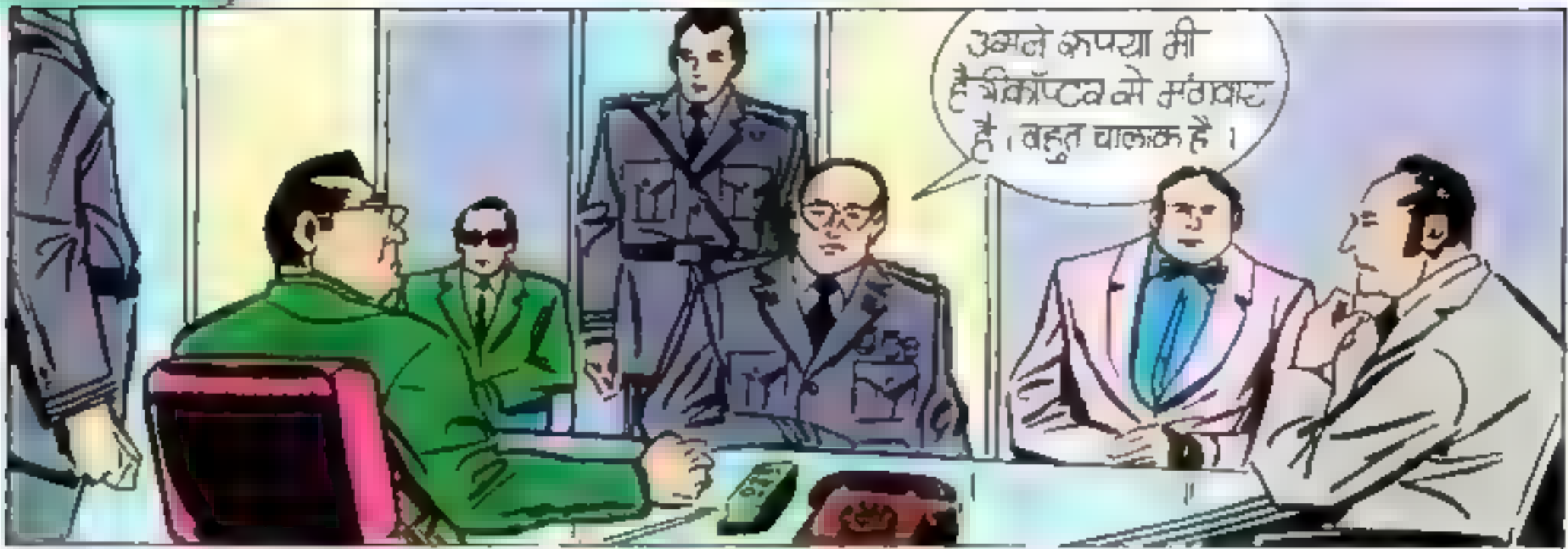














किस साहस जुटाकर कह ही गई-

नागराज हमारे साथ तुम भी तो करोगे, फिर बीस करोड़ रुपया कहाँ से लोगे?

तुमसे किसने कहा, मैं मरूंगा! और अब मेरा दिया गया समय समाप्त होने में केवल दो मिनट रह गए हैं।

...इन दो मिनटों में तुम विमान हवाई पट्टी पर उतार सके तो उतार लो। मैं चला।



नागराज नीचे कूद गया-

और पैराशूट की मदद से नीचे जाने लगा-

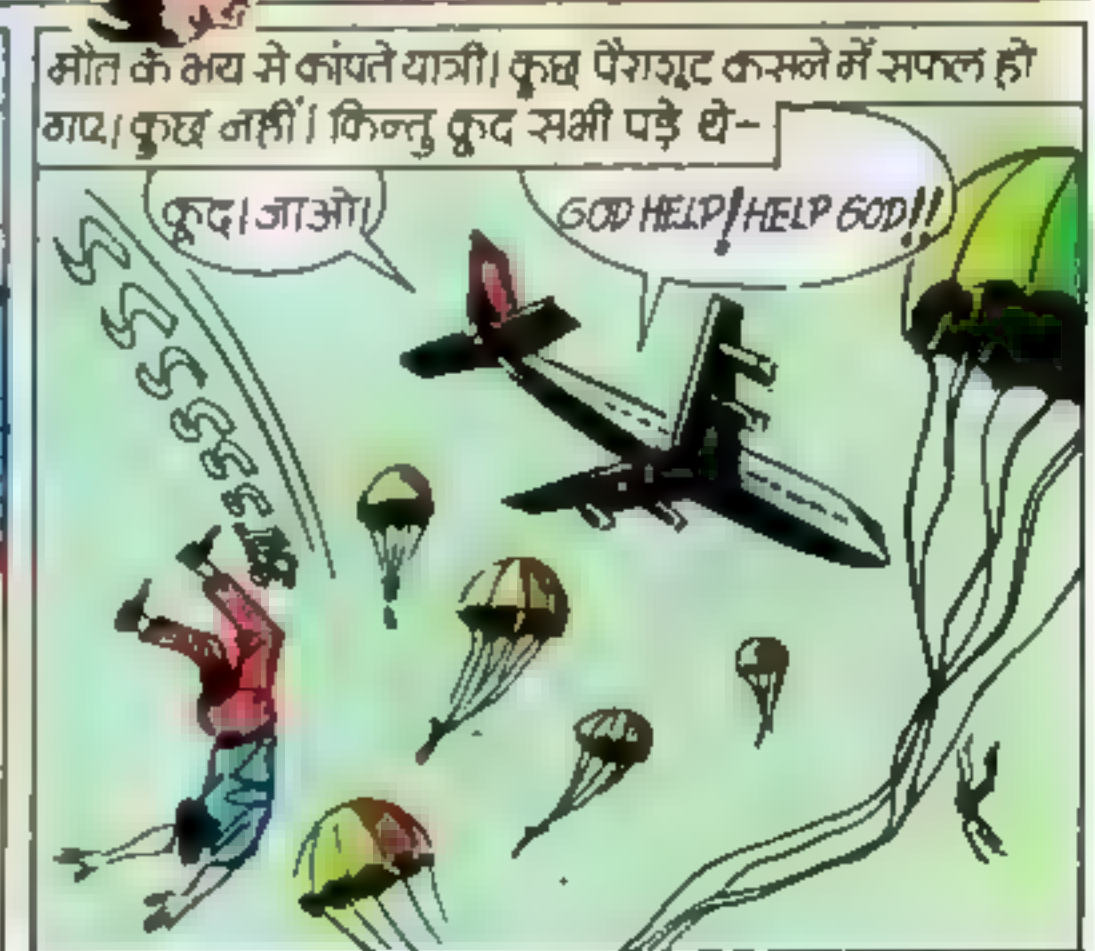
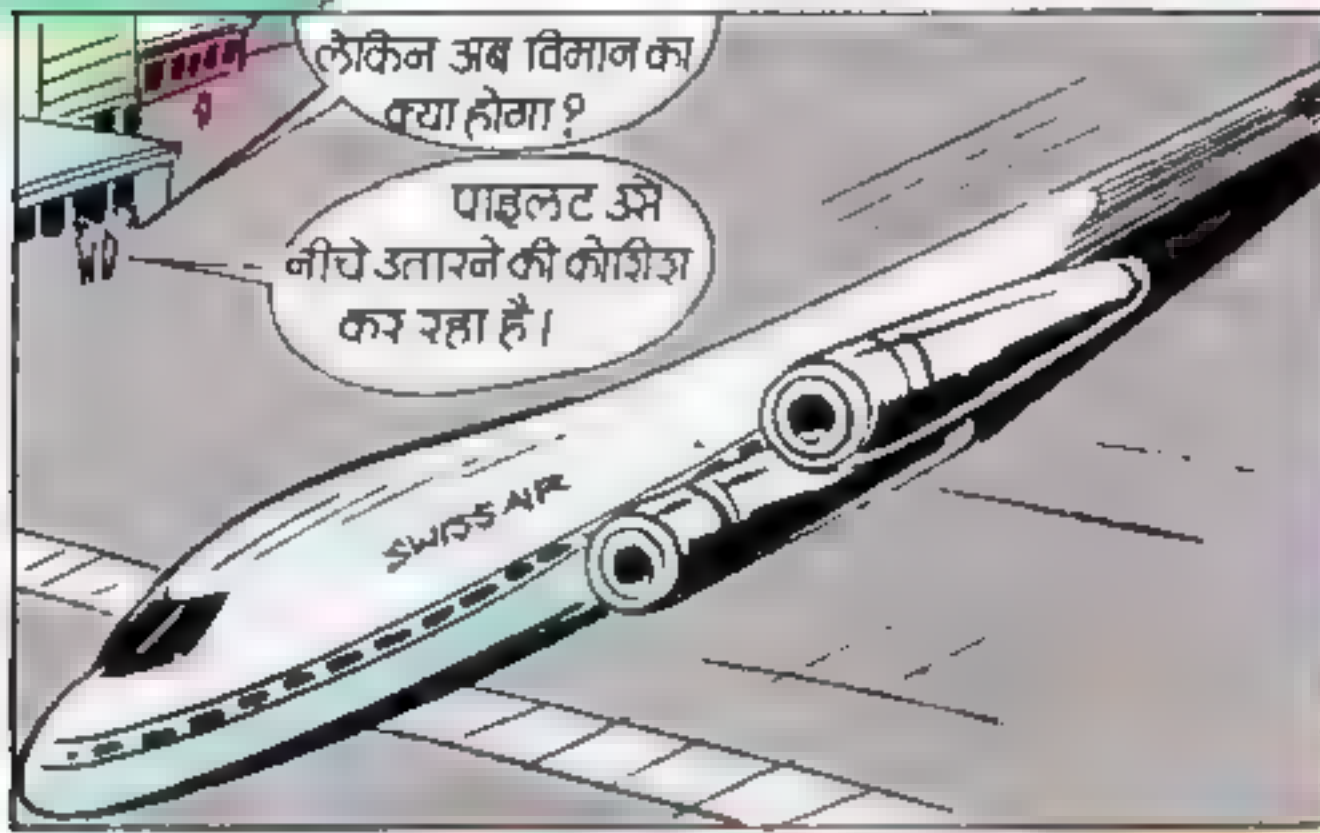
नीचे खड़े अधिकारी चौंक पड़े-



वह नागराज है। वह विमान से कूद गया है। एलर्ट, नीचे उतरते ही उसे गोलियों से भुन डालो।







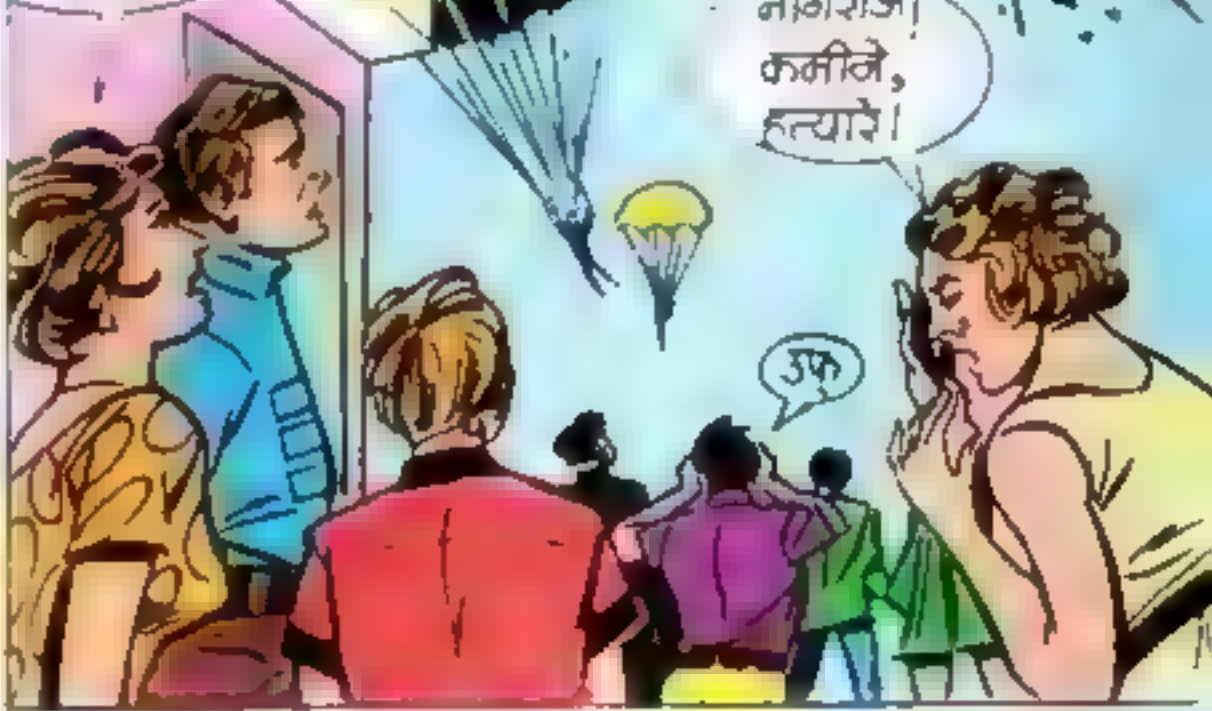


इसी क्षण एक गठान भेदी धमाके के साथ विमान आकाश के गोले में परिवर्तित हो गया -

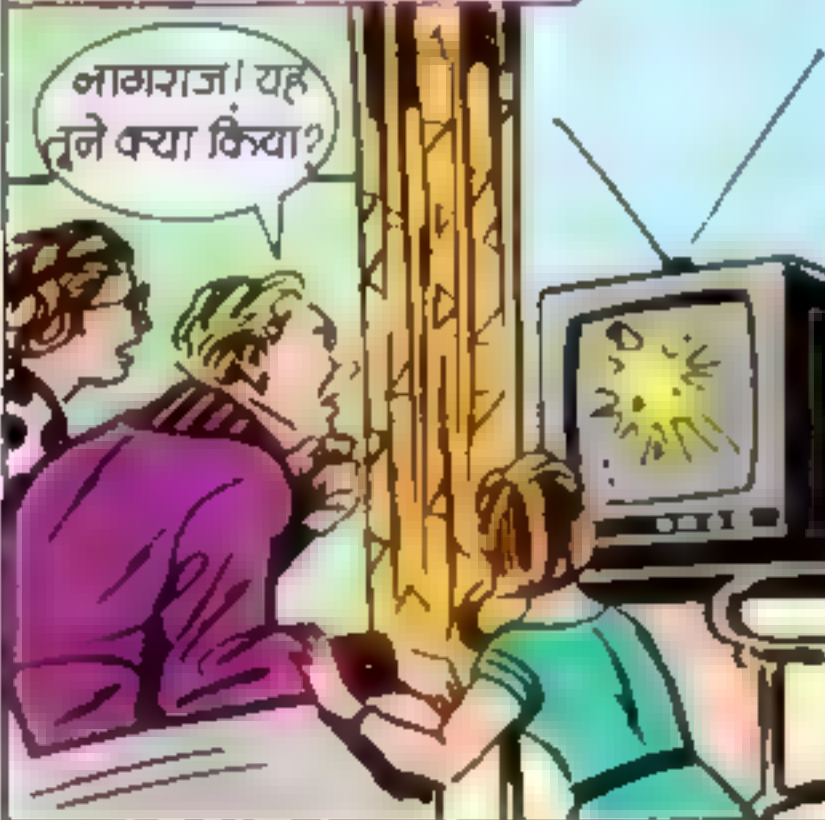


वह भयानक दृश्य सैकड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा -

हे भठवान!  
विमान में सवार  
सभी यात्री मारे  
ठाए।



वे करोड़ों आंखें भीगा गईं, जो अपने-अपने टी.वी. सैटों पर अपलक निगाहें गड़ाए वह खौफनाक दृश्य देख रही थी -





उसी क्षण दो कैप्सूल बम नागराज ने दो दिशाओं में फेंक मारे-



प्रत्येक ओर गहरा काला धुआं छा गया-

इधर धुआं छंटा, उधर नागराज गायब-

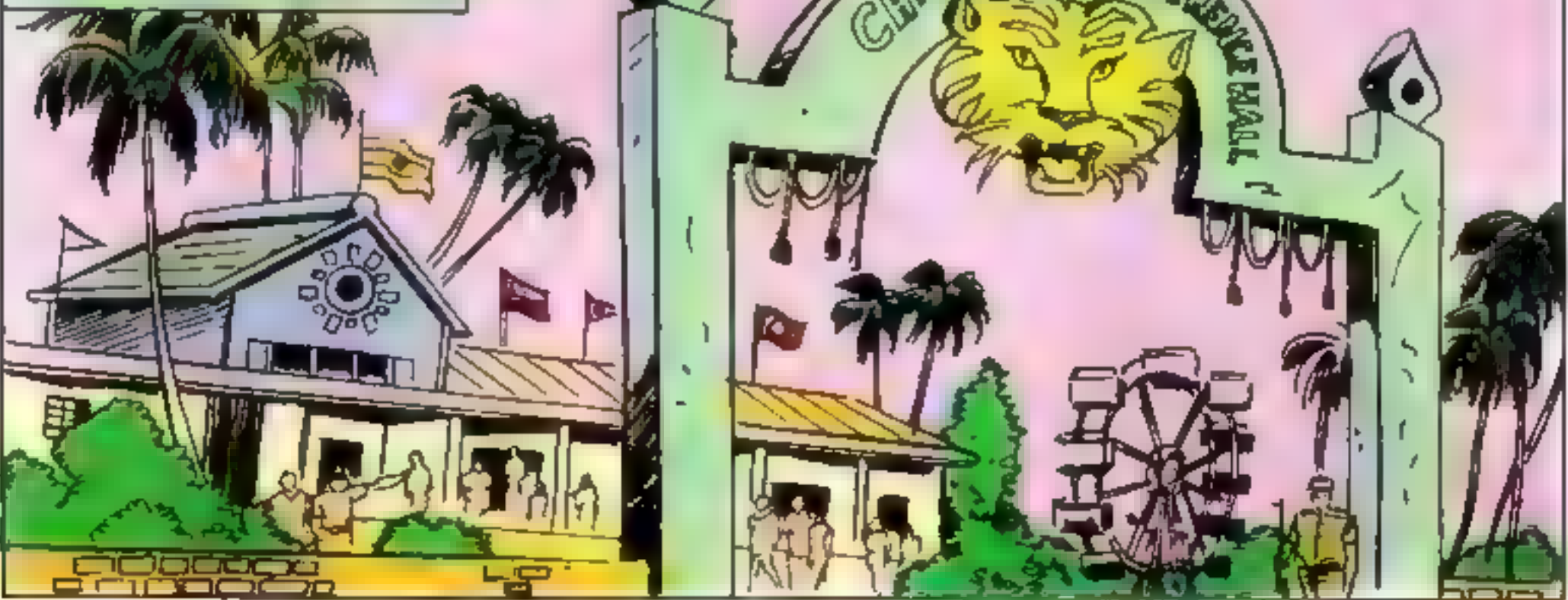


अगला दिन समाचारपत्र बेचने वालों की चांदी का था-

आज की ताजा खबर। नागराज, पागल और खूनी हो गया। स्टिजसलैण्ड में हंगामा।



भारत: स्थान गोआ! बच्चों का एक क्लब-स्पेशलाइज्ड चाइल्ड केयर।





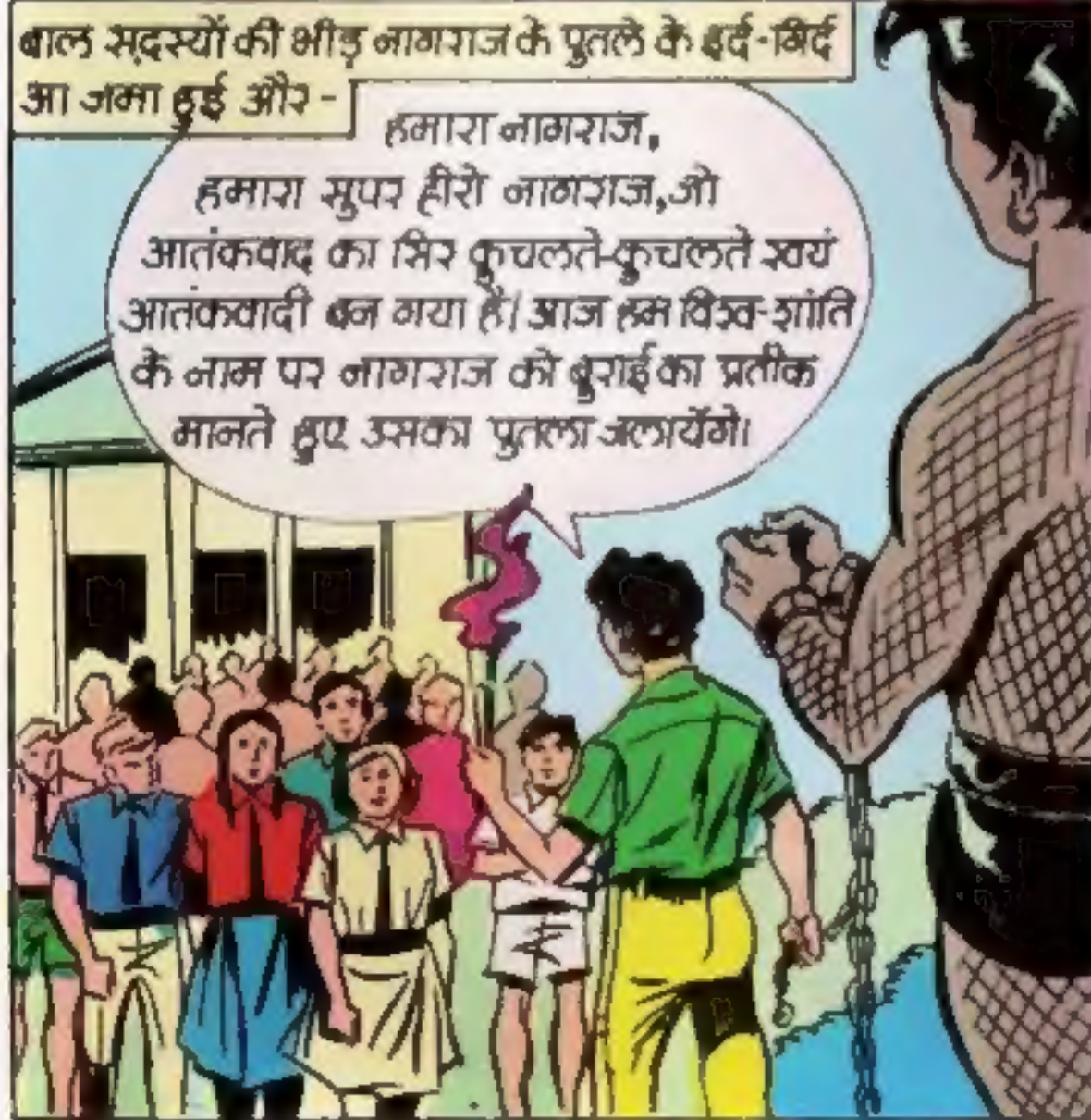
देश के कोने-कोने से आज इस क्लब के बाल-सदस्यों को आमंत्रित किया गया था-



और फिर सभी काम रोक दिये गए-



बाल सदस्यों की भीड़ नागराज के पुतले के इर्द-बिर्द आ जमा हुई और -



यह सुनते ही बच्चे शोर मचाने लगे-





नेता बालक ने आगे बढ़कर नागराज के बुत को  
आँखें दिखा दी-



उसी पल -

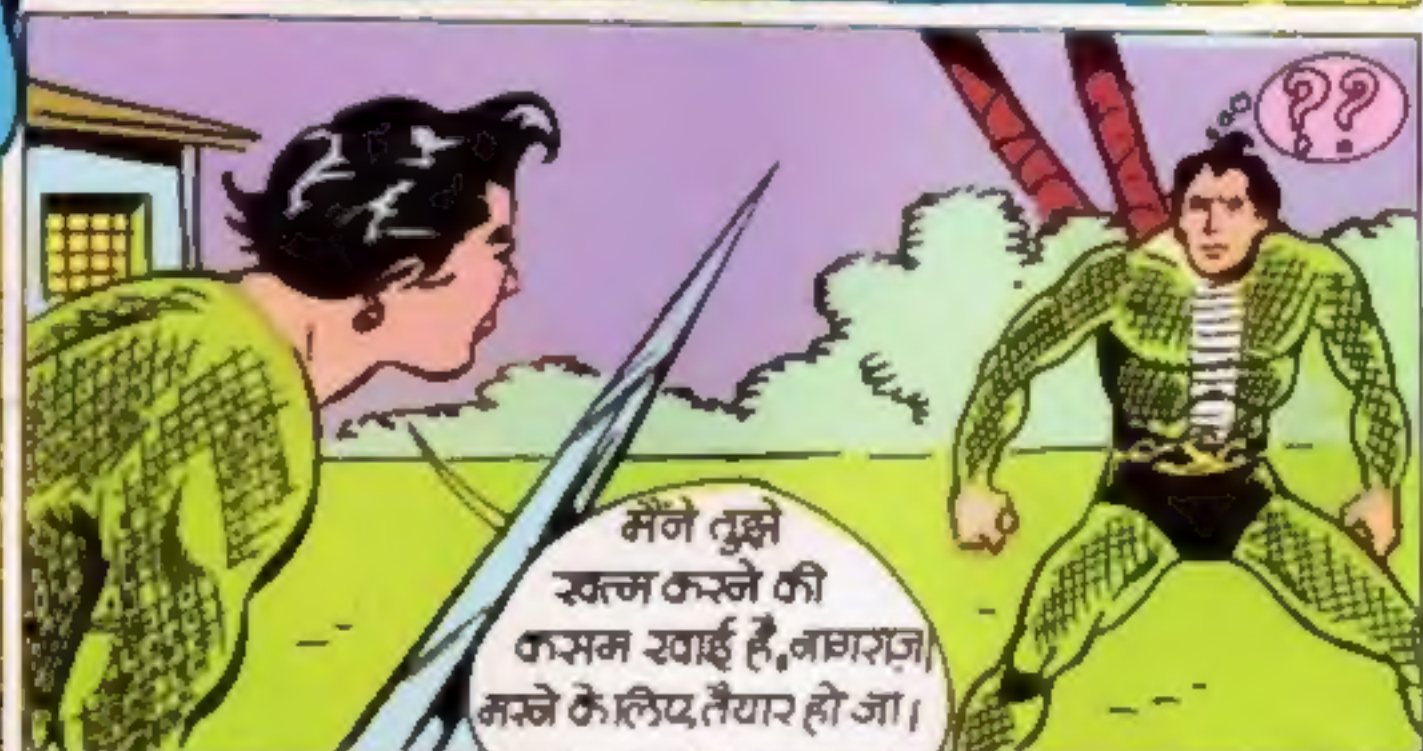








पलक झपकते ही नागराज की तलवार उसके हाथों से निकल चुकी थी-



यह एकादक ही क्या हो गया?  
दूसरा नागराज कहाँ से पैदा हो गया?  
असली कौन है? नागराज का दुश्मन कौन है?  
इन सब छद्म प्रश्नों का उत्तर जानने के लिए  
नागराज का अगला ज्वालामुखी कॉमिक्स  
पढ़ना न भूलें-

**दुश्मांधारी  
नागराज**